Roll No. _______________

Total No. of Questions :

Total No. of Printed Pages :

X-925

High School, Examination (Regular) - 2019

सामाजिक विज्ञान/ SOCIAL SCIENCE

(Hindi & English Versions)

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 100

निर्देश :

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नपत्र में दिये गये निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(iii) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ एवं अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। कुल 5x5=25 अंक हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 6 से 26 तक आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। उत्तर की शब्द सीमा 30 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आवंटित है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 1 से 14 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आयंटित है। उत्तर की शब्द सीमा 75 शब्द है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 15 से 21 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आवंटित है। उत्तर की शब्द सीमा 120 शब्द है।

(viii) प्रश्न क्रमांक 22 से 26 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न र 5 अंक आवंटित है। उत्तर की - 150 शब्द है।

(ix) प्रश्न क्रमांक 22 का उत्तर दिये गये निर्देशानुसार भारत के रेखा मानचित्र पर दर्शाइए।

Instructions:

(i) All questions are compulsory.

(ii) Read the instructions of question paper carefully and write their answers.

(iii) Questions from 1 to 5 are objective type and compulsory. Each question carries 5 marks. Total marks are 5x5=25.

(iv) Internal options are given in questions from 6 to 26.

(v) Questions from 6 to 10 are very short answer type questions. Word limit is 30 words. Each question carries 2 marks.

(vi) Questions from 11 to 14 are short answer type questions. World limit is 75 words. Each question carries 3 marks.

(vii) Questions from 15 to 21 are long answer type questions. World limit is 120 words. Each question carries 4 marks.

(viii) Questions from 22 to 26 are long answer type questions. Word limit is 150 words. Each question carries 5 marks.

(ix) Question 22 should be indicated on the outline map of India as direct

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए : (1x5=5)

(A) मानव जनित आपदा है –

(i) सूखा (ii) वाढ

(iii) भूस्खलन (iv) सड़क दुर्घटना

(B) भारत-चीन युद्ध हुआ था -

(i) 1960 ई. में (ii) 1962 ई. में

(iii) 1965 ई. मैं (iv) 1967 ई. में

(C) कृषि क्षेत्र सम्मिलित है -

(i) प्राथमिक (ii) द्वितीयक

(iii) तृतीयक (iv) द्वितीयक एवं तृतीयक दोनों

(D) सेवा क्षेत्र रोजगार प्रदान करता है -

(i) प्रत्यक्ष रूप में (ii) अप्रत्यय रूप में

(iii) प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष दोनों (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(E) केवलादेव घाना पक्षी विहार स्थित है –

(i) केरल में (ii) राजस्थान में

(iii) पश्चिम बंगाल में (iv) मध्यप्रदेश में

Choose the correct option:

(A) Man made disaster is-

(i) Drought (ii) Flood

(iii) Landslide (iv) Road accident

(B) Indo-China war was held in -

(i) 1960 A.D. (ii) 1962 A.D.

(iii) 1965 A.D. (iv) 1967 A.D.

(C) Agriculture is included in -

(i) Primary sector (ii) Secondary sector

(iii) Tertiary sector (iv) Secondary and Tertiary both sectors

(D) The tertiary sector provides employment –

(i) Directly (ii) Indirectly

(iii) Directly and indirectly both (iv) None of above

(E) Keoladeo Ghana Bird Sanctuary is located in -

(i) Kerala (ii) Rajasthan

(iii) West Bengal (iv) Madhya Pradesh

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (1×5=5)

(अ) संयुक्त वन प्रबन्ध व्यवस्था में _वन सुरक्षा समितियों_ का महत्वपूर्ण स्थान है।

(ब) सोयाबीन उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त भारतीय राज्य _मध्य प्रदेश_ है।

(स) दिल्ली की जनता ने _बहादुरशाह (ज़फ़र द्वितीय)_ को भारत का सम्राट घोषित किया।

(द) डॉ. अम्बेडकर संविधान की _डॉ. भीमराव अम्बेडकर_ के अध्यक्ष थे।

(इ) _कार्ल मार्क्स_ को समाजवाद का जनक माना जाता है।

Fill in the blanks :

(a) _______ has an important place in Joint Forest Management System.

(b) _______ State of India ranks first in the production of Soyabcan.

(c) The people of Delhi proclaimed _______ as king of India.

(d) Dr. Ambedkar was Chairman of Constituent _______.

(e) _______ is considered the father of Socialism.

3. एक शब्द या वाक्य में उत्तर दीजिए : (1×5=5)

(अ) भारतीय रेलवे विश्व में अब किस नम्बर की रेल प्रणाली हो गई हैं?

(ब) भारत में मौलिक अधिकारों की संरक्षक कौन है?

(स) नगरपालिका और नगरनिगम के विभिन्न क्षेत्रों के निर्वाचित प्रतिनिधि को क्या कहते हैं?

(द) मानव विकास सूचकांक की गणना किसके आधार पर की जाती है? कोई एक लिखिए।

(इ) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर: (अ) प्रथम (ब) सर्वोच्च न्यायालय (स) पार्षद

(द) प्रति व्यक्ति आय (इ) 24 दिसम्बर

Write answer in one word/sentence:

(A) What is the position of Indian Railways Network in the world ?

(B) Who is the protector of Fundamental Rights in India ?

(C) What are the elected members of Municipality and Municipal Corporation called?

(D) On what basis the Human Development Index is assessed? Write any one.

(E) When is the National Consumer Day celebrated?

4. सत्य / असत्य बताइए: (1×5=5)

(अ) लोक सभा को उच्च सदन कहा जाता है । (x)

(ब) जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है । (x)

(स) उत्पादक कार्यों में पूँजी लगाने को विनियोग कहा जाता है । (√)

(द) स्वर्ण आभूषणों की गुणवत्ता को प्रमाणित करने वाला चिन्ह हालमार्क कहलाता है। (√)

(इ) विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1995 में हुई थी । (√)

State True or False

(a) House of People is called Upper House.

(b) India is first in the world in respect of its total population.

(c) Money used for productive purposes is called investment.

(d) The mark that standardises the quality of golden jewellery is called Hallmark.

(e) The World Trade Organisation was established in 1995.

5. सही जोड़ियाँ बनाइयें : (1x5=5)

(अ)		(ब)
(अ) आकाशवाणी	-	तृतीयक क्षेत्र
(ब) स्वामी विवेकानन्द	-	छतरपुर
(स) चरण पादुका गोलीकांड	-	द्वितीयक क्षेत्र
(द) परिवहन एवं संचार	-	1957
(इ) सीमेन्ट का कारखाना	-	रामकृष्ण मिशन
	-	पंजीकृत परियार

उत्तर: (अ) (ब)

(अ) आकाशवाणी - 1957

(ब) स्वामी विवेकानन्द - रामकृष्ण मिशन

(स) चरण पादुका गोलीकांड - छतरपुर

(द) परिवहन एवं संचार - तृतीयक क्षेत्र

(इ) सीमेन्ट का कारखाना - द्वितीयक क्षेत्र

Match the following:

	(A)		(B)
(a)	Akashvani	-	Tertiary Sector
(b)	Swami Vivekanand	-	Chhatarpur
(c)	Charan Paduka Firing	-	Secondary Sector
(d)	Transport and Communication	-	1957
(e)	Cement Factory	-	Ramkrishna Mission
		-	Registered Family

6. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण क्या था ? (2)

उत्तर: बैरकपुर छावनी में 29 मार्च, 1857 को मंगल पाण्डे नामक सैनिक ने चर्बी वाले कारतूस को भरने से इंकार कर दिया और उत्तेजित होकर अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। फलस्वरूप उसे बन्दी बनाकर 8 अप्रैल, 1857 को फाँसी दे दी गयी। इस प्रकार चर्बी लगे कारतूस 1857 की क्रान्ति का तात्कालिक कारण बना।

What were the immediate cause of Freedom Struggle of 1857 ?

अथवा / OR

ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर-परम्परागत साधनों के नाम बताइये।

उत्तर: ऊर्जा के परम्परागत साधन:- कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस एवं विद्युत।

ऊर्जा के गैर- परम्परागत साधन:- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैविक ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा आदि।

Name the renewable and non-renewable sources of power.

7. उपभोक्ता के क्या कर्तव्य हैं? कोई दो लिखिए । (2)

उत्तर: शासन के प्रयासों के अतिरिक्त उपभोक्ता को स्वयं भी कुछ कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उपभोक्ताओं के निम्नलिखित कर्तव्य हैं

(1) बिल, रसीद, गारण्टी कार्ड आदि लेना एवं उन्हें सुरक्षित रखना।

(2) वस्तु की पूर्ति के अनुसार ही उपभोग में वृद्धि या कमी करना।

(3) उपभोक्ता संरक्षक नियमों की जानकारी रखना।

(4) कालाबाजारी एवं तस्करी को हतोत्साहित करना।

(5) वास्तविक समस्या की शिकायत अवश्य करनी चाहिए चाहे वस्तु कितने ही कम मूल्य की क्यों इससे विक्रेताओं के ठगने की प्रवृत्ति हतोत्साहित होती है।

(6) आई.एस.आई., एफ.पी.ओ.,एगमार्क एवं वूलमार्क जैसे चिह्नों को देखकर वस्तुएँ खरीदना.

What are the duties of consumers ? Write any two.

अथवा / OR

अधो-संरचना के प्रकार लिखिए।

उत्तर: अधोसंरचना से आशय उन सुविधाओं , क्रियाओं तथा सेवाओं से है जो उत्पादन के अन्य क्षेत्रों के संचालन तथा विकास एवं दैनिक जीवन में सहायक होती हैं।

अधोसंरचना के प्रकार:- अधोसंरचना को दो भागों में बाँटा गया है-

(1) आर्थिक अधोसंरचना :- अधोसंरचना जो मुख्यतः शक्ति , यातायात एवं दूरसंचार से सम्बन्धित होती है, को आर्थिक संरचना कहा जाता है। रेल, सड़क, बन्दरगाह, हवाई अड्डे, बाँध, विद्युत् केन्द्र आदि को आर्थिक संरचना के अन्तर्गत रखा जाता है। आर्थिक विकास में इनका महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। इसीलिए इन्हें बुनियादी आर्थिक सुविधाएँ भी कहा जाता है।

(2) सामाजिक अधोसंरचना:- सामाजिक अधोसंरचना मानव संसाधन का विकास करने एवं मानव पूँजी निर्माण करने में सहायक होती है। शिक्षा , स्वास्थ्य, चिकित्सा आदि इसके अंग होते हैं। इनसे समाज को कुशल, निपुण एवं स्वस्थ जनशक्ति प्राप्त होती हैं। इससे कार्यक्षमता बढ़ती है जिससे प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र में उत्पादन तेजी से बढ़ता है। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था का तेजी से विकास होता है।

Write the types of infrastructure.

8. लार्ड कर्जन ने शासन की कौन सी नीति अपनाई? (2)

उत्तर: लॉर्ड कर्जन ने 1905 में 'फूट डालो और शासन करो' की नीति का अनुसरण करते हुए बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया। उसने बंगाल की जनता की एकता को आघात पहुँचाने और वहाँ के हिन्दुओं और मुसलमानों में सदैव के लिए फूट डालने के उद्देश्य से विभाजन का कुटिल षड्यन्त्र रचा था। जिससे बंगाल में विस्फोटक स्थिति उत्पन्न हो गयी।

What was the policy adopted by Lord Curzon for Governance?

अथवा / OR

एकाधिकार क्या है ?

उत्तर: एकाधिकार:- एकाधिकार का आशय है किसी वस्तु के उत्पादन एवं वितरण पर किसी एक उत्पादक या एक उत्पादक समूह का अधिकार होना। एकाधिकार की स्थिति में

उत्पादक कीमतों एवं वस्तु की गुणवत्ता तथा उपलब्धता के सम्बन्ध में मनमानी करते हैं। फलतः वे उपभोक्ताओं का शोषण करने में सफल हो जाते हैं।

What is Monopoly ?

9. ताशकन्द समझोते की शर्ते लिखिए। (2)

उत्तर: ताशकन्द समझौते की शर्ते :– सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध विराम के बावजूद युद्ध क्षेत्रों में झड़पें बन्द नहीं हुई थीं। इस स्थिति को समाप्त करने के लिए सोवियत संघ ने विशेष रुचि ली। सोवियत संघ ने दोनों पक्षों को वार्ता के लिए ताशकन्द आमन्त्रित किया। 4 जनवरी, 1966 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खाँ तथा भारत के प्रधानमन्त्री लालबहादुर शास्त्री के मध्य ताशकन्द में वार्ता आरम्भ हुई। अन्ततः 10 जनवरी, 1966 को ऐतिहासिक ताशकन्द समझौते पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किये। इस समझौते की महत्त्वपूर्ण शर्ते निम्नलिखित थीं

(1) दोनों पक्षों ने अच्छे पड़ोसियों जैसे सम्बन्ध निर्माण करने पर सहमति व्यक्त की।

(2) दोनों पक्षों ने यह सहमति व्यक्त की कि वे 5 अगस्त, 1965 के पूर्व जिस स्थिति में थे वहाँ अपनी सेनाओं को वापस बुला लेंगे। दोनों पक्ष युद्धविराम की शर्तों का पालन करेंगे।

(3) दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने , एक-दूसरे के विरुद्ध प्रचार को रोकने तथा पुनः राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना का निर्णय लिया।

इसके अतिरिक्त आर्थिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक सम्बन्धों को मधुर बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गयी।

Write the conditions of Tashkand Agreement.

अथवा / OR

बाढ नियंत्रण के कोई दो उपाय लिखिए ।

उत्तर: बाढ़ नियन्त्रण के उपाय बाढ़ नियन्त्रण के लिए निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं-

(1) नदियों के ऊपरी क्षेत्रों में अनेक जलाशय बनाये जा सकते हैं।

(2) सहायक नदियों व धाराओं पर अनेक छोटे-छोटे बाँधों का निर्माण किया जाना चाहिए जिससे मुख्य नदी में बाढ़ के खतरे को कम किया जा सके।

(3) नदियों के ऊपरी जल संग्रहण क्षेत्रों में सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

(4) मैदानी क्षेत्रों में अनुपयुक्त भूमि पर जल संग्रहण किया जाना चाहिए।

(5) नदियों के किनारों की भूमि पर मानवीय बस्तियों के अतिक्रमण पर रोक लगाई जानी चाहिए।

(6) नदियों के जल ग्रहण क्षेत्रों में वन विनाश को नियन्त्रित करना चाहिए।

(7) पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण के समय विस्फोटकों का सीमित उपयोग कर भूस्खलन पर नियन्त्रण किया जाना चाहिए।

बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों में किसी भी बड़े विकास कार्य की अनुमति नहीं देनी चाहिए। बाढ़ क्षेत्रों में भवनों का निर्माण मजबूत होना चाहिए।

Write any two steps which should be taken to control floods:

10. उपभोक्ता शोषण से क्या आशय है? (2)

उत्तर: उपभोक्ता शोषण से आशय है कि उपभोक्ताओं को कम वजन तौलना , अधिक कीमत वसूलना, मिलावटी एवं दोषपूर्ण वस्तुएँ बेचना , भ्रमित विज्ञापन देकर उपभोक्ताओं को गुमराह करना आदि।

What is meant by Consumer Exploitation?

अथवा / OR

कालाबाजारी किसे कहते हैं ?

उत्तर: जब उत्पादक एवं व्यापारी आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी कर लेते हैं तो इन वस्तुओं का मूल्य बाजार में बढ़ जाता है। विवशतापूर्ण उपभोक्ताओं को इन्हीं ऊँचे मूल्यों पर वस्तुओं को खरीदना पड़ता है और यदि सरकार इन वस्तुओं की राशनिंग कर देती है तो यही वस्तुएँ काले बाजार में बिकने के लिए आ जाती हैं , इसे ही कालाबाजारी कहते हैं।

What is Black Marketing ?

11. मानवजीवन में मृदा का क्या महत्व है? समझाइए। (3)

उत्तर: मानव जीवन में मृदा का अत्यधिक महत्व है , विशेषकर किसानों के लिए। सम्पूर्ण मानव जीवन मृदा पर निर्भर करता है। सम्पूर्ण प्राणी जगत का भोजन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मृदा से प्राप्त होता है। हमारे वस्त्रों के निर्माण में प्रयुक्त कपास, रेशम, जूट, व ऊन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हमें मृदा से ही मिलते हैं, जैसे- भेड़, मृदा पर उगी घास खाती है और हमें ऊन देती है। रेशम के कीड़े वनस्पति पर निर्भर हैं और वनस्पति मृदा पर उगती है। भारत में लाखों घर मिट्टी के बने हुए हैं। हमारा पशुपालन उद्योग, कृषि और वनोद्योग मृदा पर आधारित हैं। इस प्रकार मृदा हमारे जीवन का प्रमुख आधार है। विलकॉक्स ने मृदा के विषय में कहा है कि, 'मानव-सभ्यता का इतिहास मृदा का इतिहास है और प्रत्येक व्यक्ति की शिक्षा मृदा से ही प्रारम्भ होती है।"

What is the importance of soil in human life? Explain.

अथवा / OR

वनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ?

उत्तर: वन प्रकृति की अमूल्य देन हैं। यह महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। ऐसा अनुमान है कि प्रारम्भ में पृथ्वी का एक चौथाई भाग (25 प्रतिशत) वनों से ढंका हुआ था, किन्तु मानव विकास के साथ खेती, आवास तथा कल-कारखानों के लिए भूमि प्राप्त करने हेतु वनों की बड़े पैमाने पर कटाई कर दी गई। फलस्वरूप अब पृथ्वी के केवल 15 प्रतिशत भाग पर ही वन पाये जाते हैं। वनों की इस कमी के कारण भू-अपरदन,अनावृष्टि, बाढ़ आदि समस्याएँ आज मानव के समक्ष आ खड़ी हुई हैं। अतः वनों का संरक्षण आवश्यक है।

Conservation of forests is necessary, why?

12. भारतीय शासकों में असंतोष के क्या कारण थे? कोई तीन। (3)

उत्तर: अंग्रेजों की राज्य विस्तार की नीति के कारण भारत के अनेक शासकों और जमींदारों में असन्तोष व्याप्त हो गया था। लार्ड वेलेजली की सहायक सन्धि व्यवस्था और लार्ड डलहौजी की हड़प नीति के कारण अनेक राज्यों का अंग्रेजी साम्राज्य में जबरदस्ती विलय कर दिया गया। अंग्रेजों ने पंजाब , सिक्किम, सतारा, जैतपुर, सम्भलपुर, झाँसी, नागपुर आदि राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। सरकार ने अवध, तंजौर, कर्नाटक के नवाबों की राजकीय उपाधियाँ समाप्त कर राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न कर दी। अन्तिम मुगल सम्राटों के प्रति अंग्रेजों का व्यवहार अनादरपूर्ण होता चला गया। इन परिस्थितियों में शासन-परिवारों में घबराहट फैल गयी थी। अंग्रेजों ने जिन राज्यों पर कब्जा किया वहाँ के सैनिक , कारीगर तथा अन्य व्यवसायों में जुड़े लोग भी प्रभावित हुए। अंग्रेजों ने अनेक सरदारों और जमींदारों से उनकी जमीन छीनं ली। इसके कारण भारतीय शासकों में असन्तोष व्याप्त हो गया।

Why were the Indian rulers angry with the British rule? (Any three reasons)

अथवा / OR

भारत में राष्ट्रीय जागृति के कारण लिखिए। (कोई तीन)

उत्तर: भारत में राष्ट्रीय जागृति के निम्नलिखित प्रमुख कारण थे

(1) राजनीतिक और प्रशासनिक एकीकरण-ब्रिटिश शासन से पूर्व भारत में राजनीतिक एकता का अभाव था। भारत छोटे-छोटे राज्यों में बँटा हुआ था। ब्रिटिश शासन के फलस्वरूप सम्पूर्ण देश एक राजनीतिक तथा प्रशासनिक सूत्र में बँध गया। फलतः भारतवासी अपने को एक राष्ट्र मानने लगे। इससे राष्ट्रीयता की उत्पत्ति तथा विकास में भारी सहयोग मिला।

(2) पाश्चात्य शिक्षा का प्रभाव-ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेजी की शिक्षा शुरू हुई जिससे विभिन् प्रान्तों के शिक्षित वर्ग के लोग अंग्रेजी द्वारा अपने विचार व्यक्त करने लगे। इस प्रकार एक भाषा-माध्यम की प्राप्ति से देश के नेताओं को देश के कोने-कोने में राष्ट्रीयता का प्रचार करने तथा सामान्य जनता तक अपने विचार पहुँचाने का अवसर प्राप्त हुआ।

(3) लॉर्ड लिटन का प्रशासन-लॉर्ड लिटन का प्रतिक्रियावादी शासन राष्ट्रीयता की भावना बढ़ाने में सहायक हुआ। उस समय देश में भयंकर अकाल पड़ा था , परन्तु लिटन ने दिल्ली में शानदार दरबार का आयोजन कर जले पर नमक छिड़कने का काम किया। इस कारण भारतीय समाचार-पत्रों ने खुलकर लिटन की आलोचना की। इससे भारतीय जनता में आक्रोश भड़का जो राष्ट्रीयता के लिए हितकर सिद्ध हुआ।

(4) भारतीयों का आर्थिक शोषण- ब्रिटिश सरकार की व्यापारिक व औद्योगिक नीति के कारण भारतीय गृह-उद्योग नष्ट हो गये जिसके कारण बेकारी फैली। इस आर्थिक दुर्दशा के कारण लोगों में असन्तोष की भावना फैली, जो राष्ट्रीय जागृति में सहायक सिद्ध हुई।

(5) भारतीयों के प्रति भेदभाव की नीति-शुरू से ही अंग्रेजों ने भारतीयों के प्रति भेदभाव की नीति अपनायी थी। 1857 की क्रान्ति के बाद इस नीति को और बढ़ावा मिला। रेलगाड़ी में, क्लबों में, सड़कों पर और होटलों में ब्रिटिश लोग भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार करते थे। इससे भारतीयों में अंग्रेजों के प्रति विद्रोह- की भावना जागृत हुई जिससे राष्ट्रीय जागृति को प्रोत्साहन मिला।

(6) यातायात तथा संचार-साधनों का विकास- ब्रिटिश शासनकाल में परिवहन, संचार व यातायात के साधनों में महत्त्वपूर्ण सुधार हुए जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न प्रान्तों के लोग एक-दूसरे से मिलने लगे और परस्पर विचारों का आदान-प्रदान शुरू हुआ। नेताओं के परस्पर सम्पर्क के कारण राष्ट्रीय जागृति कायम करने में भरपूर सहायता मिली।

Write the causes of national awakening in India. (Any three)

13. उग्र राष्ट्रवाद के उदय के क्या कारण थे? (3)

उत्तर: उन्नीसवीं शताब्दी के अन्तिम दशक में निम्नलिखित कारणों से उग्र राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन मिला-

(1) अकाल व प्लेग- 19वीं शताब्दी के अन्तिम वर्षों में भारत में कई भागों में अकाल तथा प्लेग फैला। ब्रिटिश सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इससे लोगों में असन्तोष फैला जिससे उग्र राष्ट्रवाद ने जन्म लिया।

(2) बंगाल विभाजन- लार्ड कर्जन ने 1905 में बंग-भंग द्वारा बंगाल का विभाजन कर दिया। इससे जनता में रोष भर गया और वह उग्र राष्ट्रवाद की ओर अग्रसर हुई।

(3) धार्मिक और सामाजिक सुधारों का प्रभाव- धार्मिक और सामाजिक सुधारकों ने भारतीय जनता में आत्मविश्वास पैदा कर दिया था।

(4) विदेशी घटनाओं का प्रभाव-फ्रांस और अमेरिका की क्रान्तियों ने भी भारतीयों को प्रेरणा प्रदान की। अतः वे आन्दोलनों द्वारा स्वतन्त्रता प्राप्त करने का प्रयास करने लगे।

(5) ब्रिटिश सरकार की आर्थिक नीति-ब्रिटिश सरकार की आर्थिक शोषण की नीति के कारण भारतीय कृषि और उद्योग-धन्धों को अपार क्षति पहुँची। ब्रिटिश आर्थिक नीति पूँजीपतियों के हित संरक्षण की थी। इस प्रकार अंग्रेजों की आर्थिक शोषण की नीतियों ने भी उग्र राष्ट्रवाद के विकास में परम योगदान दिया।

What were the reasons of the rise of Aggressive Nationalism?

अभया / OR

असहयोग आंदोलन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

उत्तर: खिलाफत आन्दोलन- प्रथम विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद टर्की के साथ जो अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया था, उस पर वहाँ खिलाफत आन्दोलन प्रारम्भ हुआ। इसके समर्थन में भारत के अली भाइयों (मोहम्मद अली और शौकत अली) ने खिलाफत आन्दोलन आरम्भ किया।

असहयोग आन्दोलन- कांग्रेस ने 1920 में गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग का नया कार्यक्रम अपनाया। जलियाँवाला बाग का हत्याकाण्ड, रॉलेट एक्ट का विरोध, ब्रिटिश सरकार की वादाखिलाफी का विरोध और स्वराज की प्राप्ति, यह असहयोग आन्दोलन के उद्देश्य थे।

Explain briefly the Non-Cooperation Movement.

14. प्राकृतिक आपदाओं के लिये वनों का विनाश उत्तरदायी है। क्या यह सच है ? व्याख्या कीजिए। (3)

उत्तर: प्राकृतिक आपदाएँ वे समस्त घटनाएँ हैं जो प्रकृति में विस्तृत रूप से घटित होती हैं और जिनका प्रभाव विनाशकारी होता है, जैसे-सूखा, बाढ़, भूकम्प, भूस्खलन एवं सुनामी आदि। इन आपदाओं के लिए प्रमुख रूप से वनों का विदोहन उत्तरदायी है। वनों से ही मिट्टी को पोषण तत्त्व प्राप्त होते हैं, मृदा अपरदन से रक्षा होती है, वर्षा में वृद्धि होती है। वन विनाश से प्राकृतिक जल धाराओं का सूखना, वर्षा कम होने से भूमिगत जल स्तर का नीचा होना, नदियों के जल स्तर का गिरना जिससे सूखे की प्राकृतिक आपदा को सामना

करना पड़ रहा है। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विनाश (विदोहन) उत्तरदायी है।

Exploitation of forest resources is responsible for natural disasters, Is it true? Explain

अथवा / OR

परिवहन के साधन मानव सभ्यता के पथ प्रदर्शक कैसे हैं? लिखिए।

उत्तर: किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में परिवहन व संचार साधनों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। परिवहन में रेल परिवहन , सड़क परिवहन, जहाजरानी, जलयान एवं वायुयान आते हैं। संचार के अन्तर्गत डाक सेवाएँ तथा दूरसंचार, तार, टेलीफोन, दूरदर्शन आते हैं।

परिवहन व संचार साधनों के निम्नलिखित महत्त्व हैं-

(1) परिवहन व संचार के साधन उत्पादन के सभी साधनों को गतिशीलता प्रदान करते हैं। इससे न केवल देश में उपलब्ध साधनों का उचित प्रयोग सम्भव हो पाता है बल्कि देश में व्याप्त क्षेत्रीय विषमताएँ भी कम हो जाती हैं।

(2) परिवहन और संचार के साधन उद्योगों द्वारा निर्मित वस्तुओं को देश के कोने-कोने में पहुँचाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

(3) इन साधनों द्वारा आर्थिक विकास में योगदान देने वाले सभी साधनों को अधिक से अधिक मात्रा में जुटाया जा सकता है।

(4) इन सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि परिवहन व संचार के साधन परस्पर सम्पर्क स्थापित करने में सहायक होते हैं।

The means of transport are the guiding force for the progress of human civilization. Explain

15. भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन कीजिए। (4)

उत्तर: मौलिक अधिकार नागरिकों के सर्वांगीण विकास हेतु मौलिक अधिकार आवश्यक है। भारत के संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। ये ऐसे अधिकार हैं जो न्याय योग्य हैं अर्थात् जिनका उल्लंघन होने पर नागरिक उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय की शरण ले सकता है। ये अधिकार निम्नवत् हैं

(1) समानता का अधिकार- इस अधिकार के द्वारा प्रत्येक नागरिक को कानून के समक्ष समानता तथा भेदभाव, अस्पृश्यता और उपाधियों का अन्त कर दिया गया है। सरकारी नौकरियों में बिना धर्म, जाति, लिंग आदि का भेदभाव किये समानता है।

(2) स्वतन्त्रता का अधिकार – स्वतन्त्रता के अन्तर्गत नागरिकों को भाषण देने तथा विचार प्रकट करने , शान्तिपूर्ण सभा करने , संघ बनाने, देश में किसी भी स्थान पर घूमने-फिरने की स्वतन्त्रता, देश के किसी भी भाग में व्यवसाय की स्वतन्त्रता, देश में कहीं भी रहने की स्वतन्त्रता आदि प्राप्त हैं।

(3) शोषण के विरुद्ध अधिकार - प्रत्येक नागरिक को शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार है। इस अधिकार के अनुसार मानव के क्रय-विक्रय , किसी से बेगार लेने तथा 14 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को कारखानों, खानों या किसी खतरनाक धन्धे में लगाने पर रोक लगा दी गयी है। http://www.mpboardonline.com

(4) धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार– भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है अतः प्रत्येक नागरिक को किसी भी धर्म का अनुसरण करने का अधिकार है। प्रत्येक धर्म के अनुयायियों को अपनी धार्मिक संस्थाएँ स्थापित करने तथा उनका प्रबन्ध करने का अधिकार है।

(5) सांस्कृतिक तथा शिक्षा सम्बन्धी अधिकार - इस अधिकार के अन्तर्गत भारत के नागरिकों को अपनी भाषा, लिपि तथा संस्कृति को सुरक्षित रखने तथा उसका विकास करने का अधिकार है।

(6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार - इस अधिकार के अनुसार प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार दिया गया है कि यदि उपरिवर्णित पाँच अधिकारों में से किसी भी अधिकार पर आक्षेप किया जाये या उससे छीना जाये , चाहे वह सरकार की ओर से ही क्यों न हो, तो वह सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय से न्याय की माँग कर सकता है।

इन अधिकारों को संकटकाल में प्रतिबन्धित किया जा सकता है।

Describe the Fundamental Rights of citizens of India.

अथवा / OR

समाजवादी अर्थव्यवस्था के कोई चार गुण लिखिए।

उत्तर: समाजवादी आर्थिक प्रणाली की विशेषताएँ समाजवादी अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

(1) उद्देश्यपूर्ण अर्थव्यवस्था-समाजवादी अर्थव्यवस्था के सुनियोजित लक्ष्य होते हैं और इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए विवेकपूर्ण सतत प्रयास किये जाते हैं। अतः समाजवादी अर्थव्यवस्था व्यक्तिवादी अर्थव्यवस्था की भाँति अन्धी, उद्देश्यहीन व अविवेकपूर्ण नहीं होती है। इसलिए समाजवादी अर्थव्यवस्था को व्यक्तिवादी अर्थव्यवस्था से भिन्न सामूहिकवादी अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

(2) उत्पादन के साधनों पर सरकारी स्वामित्व-समाजवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर व्यक्तिगत स्वामित्व के स्थान पर समाज का सामूहिक या सरकार का स्वामित्व होता है। देश के बड़े-बड़े उद्योगों , बैंक, बीमा कम्पनी, यातायात तथा संचार के साधनों आदि का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाता है और देश की सरकार को यह पूर्ण अधिकार होता है कि वह उनका संचालन अधिकतम कल्याण के लिए करे।

(3) आर्थिक नियोजन-समाजवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सरकार आर्थिक नियोजन की नीति को अपनाकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए लक्ष्य निर्धारित करती है , क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करती है तथा आर्थिक निर्णय लेती है। इसके लिए सरकार एक केन्द्रीय योजना अधिकारी नियुक्त करती है।

(4) प्रतियोगिता का अभाव-समाजवादी अर्थव्यवस्था में प्रतियोगिता सम्भव नहीं होती है। उत्पादन के सभी साधनों पर राज्य का अधिकार होता है। राज्य अर्थात् सरकार स्वयं साहसी एवं पूँजीपति का कार्य करता है। वह स्वयं ही किसी वस्तु का उत्पादन करने के लिए साधनों को एकत्र करता है एवं सम्पूर्ण उत्पादन व्यवस्था को संचालित करता है। इस प्रकार समाजवादी अर्थव्यवस्था में किसी प्रकार की प्रतियोगिता सम्भव नहीं होती है।

Write any four merits of Socialist Economy.

16. पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की कोई चार विशेषताएं लिखिए। (4)

उत्तर: (1) निजी सम्पत्ति- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति को सम्पत्ति प्राप्त करने, रखने, प्रयोग करने व खरीदने-बेचने का पूरा अधिकार होता है।

(2) अधिकतम लाभ- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार अधिकतम लाभ प्राप्त करना होता है। इसमें व्यक्ति केवल उन्हीं कार्यों को करता है जिनसे उसे अधिक लाभ मिलने की सम्भावना होती है।

(3) उद्यम का चुनाव करने की स्वतन्त्रता- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार किसी भी व्यवसाय को करने की स्वतन्त्रता होती है। यह बात श्रमिक , पूँजीपति, किसान, उत्पादक, उपभोक्ता सभी पर लागू होती है।

(4) कीमत यन्त्र- पूँजीवादी अर्थप्रणाली में आर्थिक क्रियाओं के संचालन का कार्य कीमत यन्त्र द्वारा सम्पादित होता है- उदाहरणार्थ- एक उत्पादक उसी वस्तु का उत्पादन करेगा जिसकी माँग व कीमत अधिक है, जिससे उसे अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

Write any Tour characteristics of capitalistic economy.

अथवा / OR

संघात्मक शासन प्रणाली की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- भारतीय संविधान में संघात्मक शासन की विशेषताएँ पायी जाती हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार-

(1) लिखित तथा कठोर संविधान– भारत का संविधान लिखित एवं कठोर है। इस दृष्टि से भारत का संविधान संघात्मक है।

(2) शक्तियों का विभाजन- भारत में केन्द्र व राज्यों के बीच संविधान द्वारा शक्तियों का विभाजन स्पष्ट रूप से किया गया है। भारत में केन्द्र तथा राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन तीन सूचियों के अन्तर्गत किया गया है- (i) संघ सूची, (ii) राज्य सूची, (iii) समवर्ती सूची।

(3) न्यायपालिका की स्वतन्त्रता- संघात्मक शासन के लिए न्यायपालिका का स्वतन्त्र होना भी अनिवार्य है। भारत में सर्वोच्च न्यायालय इस आवश्यकता की पूर्ति करता है। संविधान की रक्षा का भार इसी पर है।

(4) दुहरा प्रतिनिधित्व– दुहरा प्रतिनिधित्व संघीय शासन की प्रमुख विशेषता है। भारत में संसद का निम्न सदन (लोकसभा) नागरिकों का प्रतिनिधित्व करता है और उच्च सदन (राज्यसभा) राज्यों का प्रतिनिधित्व करता है। अतः भारत में संघीय सरकार की व्यवस्था की गयी है।

Write any four characteristics of federal form of government.

17. भारतीय संविधान की कोई चार विशेपताएँ लिखिए। (4)

उत्तर: भारतीय संविधान की विशेषताएँ भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(1) लिखित और निर्मित संविधान भारत का संविधान लिखित और निर्मित है। यह ब्रिटेन के संविधान की भाँति अलिखित नहीं है।

(2) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतान्त्रिक गणराज्य–सम्पूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न का अर्थ है कि भारत अपने आन्तरिक एवं बाह्य मामलों में सर्वोच्च शक्ति रखता है। लोकतन्त्रात्मक का आशय है कि भारत में राजसत्ता का स्रोत जनता है। भारत गणराज्य भी है , क्योंकि राज्य का प्रधान जनता के प्रतिनिधियों द्वारा निर्वाचित व्यक्ति होता है।

(3) संसदीय शासन प्रणाली भारतीय संविधान में शासन की संसदीय प्रणाली अपनायी गयी है। देश का संवैधानिक प्रधान राष्ट्रपति होता है, जबकि वास्तविक सत्ता मन्त्रिपरिषद् के अधीन होती है।

(4) अंशतः लचीला एवं अंशतः कठोर– भारतीय संविधान न तो पूर्ण रूप से लचीला है न पूर्ण रूप से कठोर। यह अंशतः लचीला तथा अंशतः कठोर है।

Write any four specialties of the Indian Constitution.

अथवा / OR

भारत में लोहा उत्पादन क्षेत्रों के वितरण का वर्णन कीजिए।

उत्तर: लोहे के प्रमुख उपयोग-वर्तमान में मनुष्य के उपयोग में आने वाली छोटी-छोटी वस्तुएँ; जैसे-सुई, ब्लेड, आलपिन, चाकू आदि से लेकर विशाल मशीनें , ट्रैक्टर, भोटर, वायुयान, रेल, अस्त्र-शस्त्र आदि सभी वस्तुओं का निर्माण लोहे से होता है। लोहे का प्रयोग भवन बनाने, कारखानों का निर्माण करने, वस्त्र बनाने आदि अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किया जाता है। मानव जीवन की प्रत्येक आवश्यकता को पूरा करने और जीवन को सुखमय बनाने में लोह अयस्क का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

भारत में लोहा उत्पादन क्षेत्रों का वितरण निम्न प्रकार है-

(1) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र-झारखण्ड राज्य के सिंहभूमि की प्रसिद्ध लोहा खदानें मनोहरपुर , पाशिराबुरु, बुढाबुरु, गुआ और नोआमुण्डी हैं। उड़ीसा के मयूरभंज जिले में गुरूमहिसानी, सलाइपट तथा बादाम पहाड़ की खदानें प्रमुख हैं।

(2) मध्य भारत क्षेत्र-इस क्षेत्र में गोवा , मध्य प्रदेश में जबलपुर , मण्डला, बालाघाट, छत्तीसगढ़ में दुर्ग , रायगढ़, बिलासपुर और महाराष्ट्र के बाँदा और रत्नागिरि जिलों में लोह भण्डार हैं। दर्ग जिले की दल्ली व राजहरा और बस्तर की बेलाड़िला एवं राउघाट की खदानें प्रसिद्ध हैं। राजस्थान के अरावली से उदयपुर व भीलवाड़ा, डूंगरपुर व बूंदी जिलों में भी लोह खदानें हैं।

(3) प्रायद्वीपीय क्षेत्र-कर्नाटक के चिकमंगलूर, बेल्लारी, उत्तरी कन्नड़ तथा चित्रदुर्ग जिलों। तमिलनाडु के सलेम, तिरुचिरापल्ली तथा दक्षिणी अर्काट जिलों में तथा आन्ध्र प्रदेश के अनन्तपर तथा जिलों में लोहे की खदानें हैं।

(4) अन्य क्षेत्र- हरियाणा के महेन्द्रगढ़, हिमाचल प्रदेश के मण्डी में, उत्तराखण्ड के गढवाल, अल्मोड़ा तथा नैनीताल, केरल के कोझिकोड , जम्मू व कश्मीर के जम्मू व ऊधमपुर जिलों तथा नागालैण्ड में लोहे के भण्डार हैं।

Describe the distribution of Iron producing areas in India,

18. रबी और खरीफ की फसलों में कोई पाँच अन्तर स्पष्ट कीजिए। (4)

उत्तर: खरीफ व रबी की फसल में अन्तर

खरीफ	रबी
1. यह फसल मानसून ऋतु के आगमन के साथ ही शुरू होती है।	1. यह फसल मानसून ऋतु के बाद शरद ऋतु के साथ शुरू होती है।
2. इसकी प्रमुख फसलें धान , ज्वार, बाजरा, मक्का, कपास, पटसन और मूंगफली आदि हैं।	2. इसकी मख्य फसलें गेहूँ , जौ, चना, सरसों और अलसी, जैसे-तेल निकालने के बीज आदि हैं।
3. इन फसलों के पकने में कम समय लगता है।	3. इन फसलों के पकने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है।
4. इन फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम होता हैं।	4. इन फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिक होता है।
5. ये फसलें सितम्बर-अक्टूबर में काटी जाती हैं।	5. ये फसलें मार्च-अप्रैल में काटी जाती हैं।

Differentiate any five Rabi and Kharif crops.

अथवा / OR

भारत का आण्विक शक्ति के रूप में विकास किस प्रकार हुआ? समझाइए।

Explain how has India achieved the status of a Nuclear Power?

उत्तर: सन् 1980 के दशक की परमाणु नीति :– सन् 1980 के दशक से प्रक्षेपास्त्रों के विकास के कारण भारत की परमाणु नीति में प्रमुख परिवर्तन आया। इस सन्दर्भ में सन् 1983 में प्रारम्भ की गयी 'एकीकृत निर्देशित प्रक्षेपास्त्र योजना ' अति महत्त्वपूर्ण है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक ए. पी. जे. अब्दुल कलाम इस योजना के अध्यक्ष बनाये गये। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत ने जिन प्रक्षेपास्त्रों का विकास किया , वे 'पृथ्वी', 'त्रिशूल', 'नाग' तथा 'आकाश' हैं।

परमाणु प्रसार रोकने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तीन संगठनों की स्थापना हुई। आंशिक मास्को परमाणु परीक्षण निषेध सन्धि (पी.टी.बी.टी.) 1963, परमाणु अप्रसार सन्धि (एन.पी.टी.) 1968 तथा व्यापक परमाणु परीक्षण निषेध सन्धि (सी.टी.बी.टी.) 1996।

सन् 1990 के दशक की परमाणु नीति :– सन् 1990 के दशक से भारत की परमाणु नीति में मोड़ आया क्योंकि विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ कि पाकिस्तान ने परमाणु बम तैयार कर लिया है। अपनी रक्षा को मजबूत बनाने, उसमें आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश के दबावों से बचने के लिए परमाणु परीक्षण किये जाने पर

विचार किया गया। 11 मई, 1998 को भारत ने तीन भूमिगत परमाणु परीक्षण लगातार एक के बाद एक पोखरण में किये। परमाणु परीक्षण सम्पन्न हो जाने के पश्चात् पूर्व प्रधानमन्त्री अटल बिहारी बाजपेयी ने घोषित किया कि “हम एक बड़े बम की क्षमता वाले" राष्ट्र बन गये हैं परन्तु प्रधानमन्त्री ने आश्वासन दिया कि परमाणु हथियारों का उपयोग हम किसी देश के विरुद्ध नहीं करेंगे वरन् अपनी आत्मरक्षा के लिए करेंगे।

वास्तव में भारत ने आण्विक परीक्षण इसलिए किये क्योंकि भारत की सीमाओं के निकट परमाणु अस्त्र क्षमता एवं प्रक्षेपास्त्रों की मौजूदगी थी। अतः भारत को अपनी सुरक्षा मजबूत बनाने के लिए तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में राजनैतिक एवं कूटनीतिक रूप से दबाव बढ़ाना आवश्यक था परन्तु भारत आरम्भ से ही शान्तिदूत रहा है और उसने आण्विक शक्ति दूसरों पर अपनी प्रभुता स्थापित करने तथा दूसरे राष्ट्रों के मामलों में हस्तक्षेप प्राप्त करने के लिए नहीं की है।

19. जनसंख्या वृद्धि रोकने के कोई चार उपाय लिखिए। (4)

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि रोकने के उपाय जनसंख्या वृद्धि को रोकने के निम्नलिखित उपाय हैं-

(1) परिवार कल्याण-परिवार कल्याण द्वारा छोटे परिवारों के लाभों का प्रचार करना चाहिए जिससे प्रभावित होकर प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के कृत्रिम साधनों को प्रयोग में लाने लगे।

(2) शिक्षा तथा सामाजिक सुधार-जब तक देश में शिक्षा की उचित व्यवस्था नहीं होगी, परिवार नियोजन कभी भी सफलतापूर्वक कार्य नहीं कर सकता। एक अविकसित देश का अज्ञानी व्यक्ति जो सामाजिक व धार्मिक अन्धविश्वासों में जकड़ा हुआ है, परिवार नियोजन के लाभों को समझ नहीं सकेगा। अतः शिक्षा का प्रसार होना चाहिए। शिक्षा द्वारा बाल-विवाह, जातिवाद आदि सामाजिक कुरीतियाँ स्वयं समाप्त हो जायेंगी जो जनसंख्या वृद्धि में सहायक होती हैं।

(3) आर्थिक विकास- जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए समाज का समुचित आर्थिक विकास होना चाहिए। साथ ही कृषि , उद्योग, व्यापार, यातायात एवं संवाद-वाहन आदि सभी क्षेत्रों का सामूहिक विकास भी आवश्यक है। इससे रोजगार के स्तर में वृद्धि होगी, आय और जीवन-स्तर में वृद्धि होगी, फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धि पर रोक लग जाएगी।

(4) सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में वृद्धि-देश में सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में वृद्धि की जानी चाहिए, जिससे संकटकाल या वृद्धावस्था में सहारा पाने की दृष्टि से सन्तानोत्पत्ति की प्रवृत्ति को नियन्त्रित किया जा सके।

Write any four measures to control population growth.

अथवा / OR

मादक पदार्थों का शरीर पर क्या प्रभाव होता हैं? कोई पाँच लिखिए।

What is live effect of drugs on the body? Write any five.

20. राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकारों का वर्णन कीजिए। (4)

उत्तर- संकट का सामना करने के लिए राष्ट्रपति को संकटकालीन अधिकार दिये गये हैं। संकटकाल की घोषणा निम्नलिखित परिस्थितियों में की जा सकती है

(1) युद्ध, विदेशी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में।

(2) राज्यों में संविधान के असफल हो जाने की स्थिति में।

(3) देश की आर्थिक स्थिरता या साख को खतरा उत्पन्न होने पर संकटकालीन घोषणा की जा सकती है। इस अवधि में हमारे संविधान में कई मौलिक परिवर्तन हो जाते हैं।

Describe the emergency powers of the President.

अथवा / OR

स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 1929 के लाहौर अधिवेशन का क्या महत्व है?

उत्तर: कांग्रेस का 44वाँ अधिवेशन 1929 में लाहौर में हुआ। इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. जवाहर लाल नेहरू थे। अपने इसी अधिवेशन में कांग्रेस ने पूर्ण स्वरांज की माँग का प्रस्ताव पास किया। स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू करने का निर्णय भी लिया। गया। यह भी निर्णय लिया गया कि हर वर्ष 26 जनवरी का दिन सम्पूर्ण भारत में स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाया जाए। इस प्रकार 26 जनवरी, 1930 को स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाया गया। इसके मनाये जाने से जन- साधारण में एक बड़ा जोश पैदा हो गया और पूर्ण स्वराज्य का सन्देश घर-घर पहुँच गया। इसी कारण लाहौर अधिवेशन का भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है।

What is the importance of Lahore Session of 1929 in the history of freedom struggle?

21. सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिये किये गये प्रयासों का वर्णन कीजिए। (4)

उत्तर: सरकार द्वारा वन संरक्षण के प्रयास :

स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार द्वारा निम्न प्रयास किए गए ।

(I) सरकार ने 1950 में एक केन्द्रीय वन बोर्ड की स्थापना की। वनों के सम्बन्ध में नवीन नीति बनाई गई। इसकी चार प्रमुख बातें थीं-

(1) वनों के क्षेत्रफल को बढ़ाकर 33.3 प्रतिशत करना, (2) नये वनों को लगाना, (3) वनों को सुरक्षित करना, और (4) वनों के सम्बन्ध में अनुसन्धान करना।

(II) 7 दिसम्बर, 1988 को नवीन वन नीति घोषित की गई, जिसके प्रमुख उद्देश्य थे-

(1) पर्यावरण में स्थिरता लाना , (2) जीव-जन्तुओं व वनस्पति जैसी प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा करना, (3) लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना।

(III) वर्ष 1988 की घोषित राष्ट्रीय वन नीति को क्रियाशील बनाने के लिए 1999 में एक 20-वर्षीय राष्ट्रीय कार्य योजना लागू की गई। वन विकास हेतु निम्न कार्य किये जा रहे हैं-

(1) केन्द्रीय वन आयोग की स्थापना- केन्द्र सरकार ने 1965 में केन्द्रीय वन आयोग की स्थापना की। इसका कार्य आँकड़े व सूचनाएँ एकत्रित करना , तकनीकी सूचनाओं को प्रसारित करना, बाजारों का अध्ययन करना और वन विकास में लगी संस्थाओं के कार्यों को समन्वित करना है।

(2) भारतीय वन सर्वेक्षण संगठन- वनों में क्या-क्या वस्तुएँ उपलब्ध हैं उनका पता लगाने हेतु 1971 में इस संगठन की स्थापना की गई।

(3) वन अनुसन्धान संस्थान की स्थापना- देहरादून में वनों से प्राप्त वस्तुओं तथा वनों के सम्बन्ध में अनुसन्धान एवं शिक्षा देने के लिए इस संस्था को स्थापित किया गया। इसके चार क्षेत्रीय केन्द्र-बेंगलूरू, कोयम्बटूर, जबलपुर और बुहट हैं।

(4) क्राफ्ट कला प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना- राज्य सरकार के वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लकड़ी काटने का प्रशिक्षण देने के लिए 1965 में देहरादून में क्राफ्ट कला प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया।

(5) भारतीय वन प्रबन्ध संस्थान की स्थापना- वन संसाधन व प्रबन्धन व्यवसाय की नवीन बातों की जानकारी देने हेतु 1978 में स्वीडिश कम्पनी की सहायता से अहमदाबाद में इस संस्थान की स्थापना की गयी है। केन्द्र सरकार ने मध्य प्रदेश के भोपाल में भी भारतीय वन प्रबन्ध संस्था की स्थापना की है।

(6) वन महोत्सव- वनों के क्षेत्रफल को बढ़ाने व जनता में वृक्षारोपण की प्रवृत्ति पैदा करने के लिए भारत के तत्कालीन कृषि मन्त्री के एम. मुन्शी ने 1950 में वन महोत्सव "अधिक वृक्ष लगाओ आन्दोलन प्रारम्भ किया। प्रतिवर्ष देश में 1 से 7 जुलाई तक वन महोत्सव कार्यक्रम मनाया जाता है।

(7) वन संरक्षण अधिनियम- 1980 में भारत सरकार ने वन संरक्षण अधिनियम पारित करके किसी भी वनभूमि को सरकार की अनुमति के बिना कृषि भूमि में परिवर्तित नहीं करने का प्रावधान निश्चित किया है।

सरकार ने वनों को चार वर्गों में बाँटा है-

(i) सुरक्षित वन, (ii) राष्ट्रीय वन, (iii) ग्राम्य वन, (iv) वृक्ष समूह।

प्रबन्धन की दृष्टि से वनों के तीन वर्ग हैं-

(i) आरक्षित वन 52 प्रतिशत, (ii) सुरक्षित वन 32 प्रतिशत, (iii) अवर्गीकृत वन 16 प्रतिशत।

Describe the role of Government agencies in forest conservation.

अथवा / OR

सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाये जाने के क्या कारण थे ?

उत्तर: दिसम्बर 1929 के लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ करने की स्वीकृति दी गई थी। वायसराय लार्ड इरविन ने लाहौर अधिवेशन के पूर्ण स्वाधीनता प्रस्ताव को मानने से इन्कार कर दिया था परन्तु गांधीजी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। अतः उन्होंने 30 जनवरी, 1930 को लार्ड इरविन के समक्ष 11 माँगें प्रस्तुत कीं। गांधीजी ने यह भी घोषित किया कि माँगें स्वीकार न होने की स्थिति में सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ किया जायेगा।

गांधीजी चाहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाए, भू-राजस्व कम करे, पूर्ण नशाबन्दी लागू हो, बन्दूकों को रखने का लाइसेन्स दिया जाये, नमक पर कर समाप्त हो, हिंसा से दूर रहने वाले राजनीतिक बन्दी छोड़े जायें, गुप्तचर विभाग पर नियन्त्रण स्थापित हो, सैनिक व्यय में पचास प्रतिशत कमी हो, कपड़ों का आयात कम हो आदि। वायसराय ने इन माँगों को अस्वीकार कर दिया। अतः गांधीजी ने योजनानुसार सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ किया।

What were the reasons for conducting Civil Disobedience Movement?

22. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइये : (5)

(i) अरब सागर।

(ii) मुम्बई।

(iii) चेन्नई।

(iv) दिल्ली।

(v) थार का मरुस्थल।

Show the following on the Map of India :

(i) Arabian Sea.

(ii) Mumbai.

(iii) Chennai.

(iv) Delhi.

(v) Thar desert.

अपवा / OR

निम्नलिखित मौसमी दशाओं को स्पष्ट करने हेतु संकेत बनाइए :

(i) फुहारे।

(ii) ओला।

(iii) कुहासा।

(iv) धीर समीर।

(v) झंझा।

Roll No. ______________________

भारत INDIA

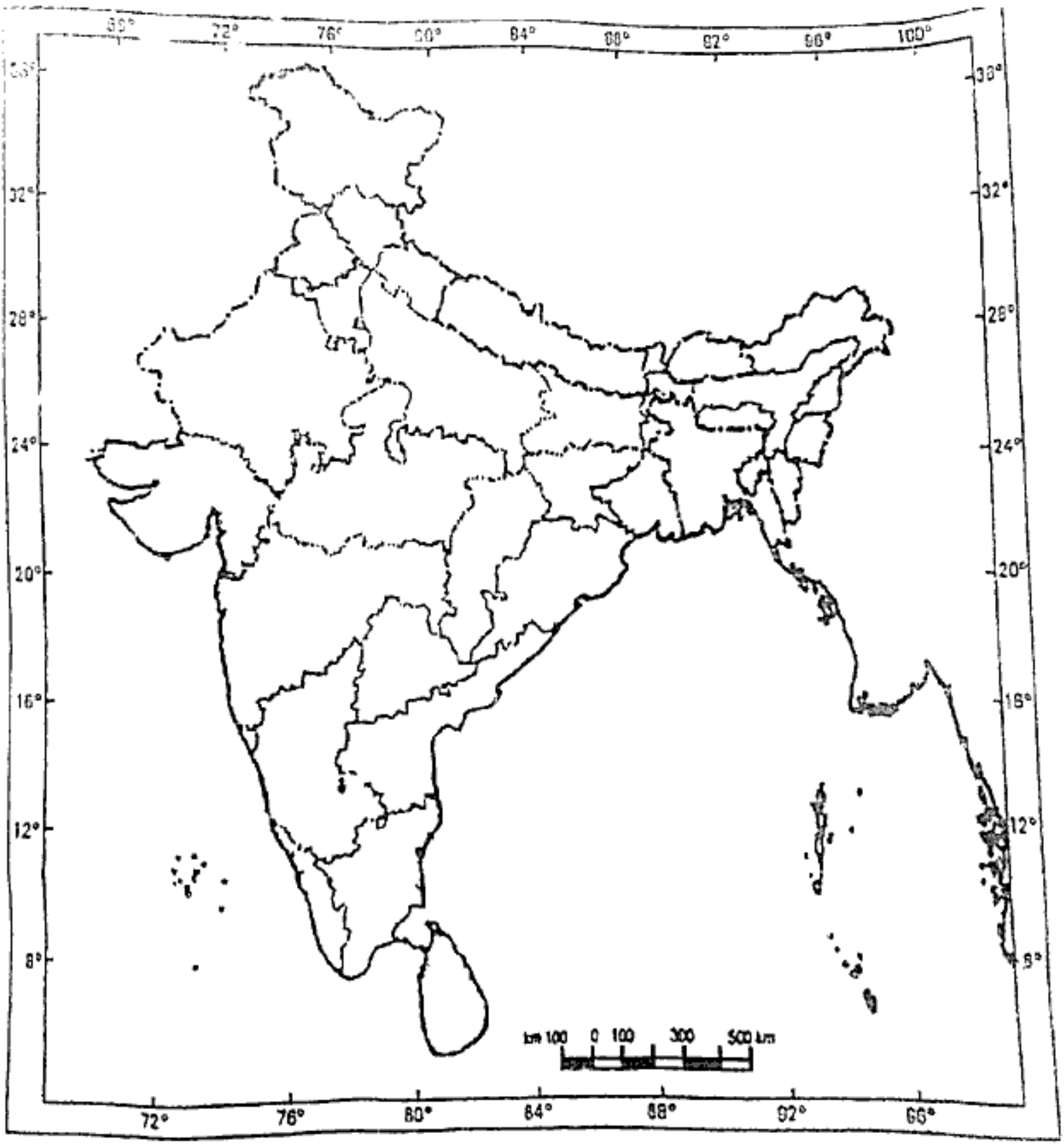

Draw symbol / signs to show the following weather conditions:

(i) Drizzle.

(ii) Hail.

(iii) Mist.

(iv) Steady breeze.

(v) Gale.

23. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के लिये उत्तरदायी कारणों का विवरण दीजिए। (5)

उत्तर: कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन (1885) में इसके निम्नलिखित उद्देश्य बताये-

(1) साम्राज्य के विभिन्न भागों में राष्ट्र के हित के कार्यों में संलग्न ऐसे सभी व्यक्तियों में परस्पर घनिष्ठता और मित्रता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करना।

(2) अपने सभी राष्ट्र-प्रेमियों में जाति, धर्म या प्रान्तीयता के सभी सम्भव पूर्वाग्रहों को सीधे मित्रतापूर्ण व्यक्तिगत सम्पर्क से दूर करना और राष्ट्रीय एकता की उन भावनाओं को पूरी तरह विकसित और संगठित करना।

(3) तत्कालीन महत्त्वपूर्ण और ज्वलन्त सामाजिक समस्याओं के बारे में शिक्षित वर्ग के परिपक्व व्यक्तियों के साथ पूरी तरह से विचार-विमर्श करने के बाद बहुत सावधानी से इनका प्रामाणिक लेखा-जोखा तैयार करना। http://www.mpboardonline.com

(4) जिन दिशाओं में और जिस तारीख से अगले बारह महीनों में देश के राजनीतिज्ञों को लोकहित के लिए कार्य करना चाहिए उनका निर्धारण करना।

Describe the causes which led to the establishment of Indian National Congress.

अथवा / OR

भारतीय प्रजातंत्र की सफलता में बाधक पांच तत्वों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: प्रजातन्त्र की सफलता में बाधक तत्त्व भारतीय प्रजातन्त्रको अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, इनमें प्रमुख निम्नलिखित हैं-

(1) गरीबी और बेरोजगारों की बढ़ती संख्या-देश की जनसंख्या का लगभग 26 प्रतिशत भाग निर्धनता रेखा के नीचे जीवन निर्वाह कर रहा है। देश में शिक्षित और अशिक्षित करोड़ों नागरिकों के लिए नियमित रोजगार का कोई साधन नहीं है। नागरिकों के उसी बड़े वर्ग के कारण लोकतन्त्र के संचालन में कठिनाई आती है। निर्धनता और बेरोजगारी से प्रभावित नागरिक रूढ़िवादी अधिक रहता है और आधुनिक विचार और पद्धति के प्रति उसमें रुझान नहीं होता। निर्धन एवं बेरोजगार व्यक्ति राष्ट्र के विकास एवं प्रगति में योगदान के बजाय अपने पेट भरने एवं अपने परिवार के लालन-पालन की जुगत में ज्यादा लगा रहता है।

(2) जातीयता, क्षेत्रीयता और भाषायी समस्याएँ-हमारे देश में बिना किसी भेद-भाव के सभी नागरिकों को स्वतन्त्रता और समानता के अधिकार प्रदान किये गये हैं किन्तु यथार्थ में देश में प्रचलित जातिवाद और क्षेत्रवाद स्वतन्त्रता और समानता के अधिकार को वास्तविक नहीं बनने दे रहे हैं। भारतीय प्रजातन्त्र में विश्वास करने वाले यह मानते

थे कि भारत में धीरे-धीरे जातिवाद स्वतः समाप्त हो जायेगा, लेकिन व्यक्ति जब जाति को प्राथमिकता देकर राजनीतिक कार्य और व्यवहार निर्धारित करता है तब लोकतन्त्र के संचालन में अवरोध आना स्वाभाविक है।

(3) निरक्षरता- किसी भी देश में लोकतन्त्र की सफलता के लिए वहाँ के नागरिकों का साक्षर होना आवश्यक है। अशिक्षित लोग न तो अपने अधिकारों व कर्तव्यों को जानते हैं और न ही अपने मत का ठीक प्रयोग कर पाते हैं। इसलिए निरक्षरता प्रजातन्त्र के लिए अभिशाप है।

(4) सामाजिक कुरीतियाँ- भारतीय समाज परम्परागत समाज है। यहाँ प्रजातन्त्र की भावना के अन्नकल लोकमत की कम अभिव्यक्ति होती है। अभी भी हमारे समाज में अस्पृश्यता की भावना महिला भेद-भाव, जातीय श्रेष्ठता के भाव, सामन्तवादी मानसिकता, सामाजिक कुरीतियाँ व अन्धविश्वास वाटते भावना व्याप्त हैं। इस प्रकार के विचार लोकतन्त्र के मार्ग में बाधा हैं।

(5) संचार साधनों की नकारात्मक भूमिका-संचार साधनों के माध्यम से सरकार के मध्य एक घनिष्ठ नाता बनता है। प्रजातन्त्र में सरकार द्वारा जनकल्याण की अनेक योजना संचालित किए जाते हैं। जनसंचार के साधनों द्वारा इनका प्रसार केवल व्यावसायिक है। शासन और प्रशासन की सकारात्मक भूमिका के प्रति इनमें आकर्षण कम है जबकि जनमत को दिशा देने में यह साधन प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। भारत में इनकी भनि नहीं है जितनी होनी चाहिए।

Describe five hurdles in the success of Indian democratic system.

24. मुख्यमंत्री के पाँच कार्य लिखिए। (5)

उत्तर- मुख्यमन्त्री के प्रमुख पाँच कार्य निम्नलिखित हैं-

(1) मुख्यमन्त्री का कार्य मन्त्रिपरिषद् का गठन करना होता है।

(2) मन्त्रियों के बीच विभागों का वितरण करता है।

(3) मुख्यमन्त्री ही मन्त्रिपरिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करता है।

(4) आवश्यकता पड़ने पर मन्त्रियों को उनके विभाग से सम्बन्धित कार्य के लिए निर्देश दे सकता है।

(5) मुख्यमन्त्री राज्यपाल एवं मन्त्रिपरिषद् के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करता है।

Write down any live functions of the Chief Minister.

अथवा / OR

व्यवस्थापिका के कोई पांच कार्य लिखिए।

उत्तर: लोकसभा की शक्तियाँ लोकसभा की प्रमुख शक्तियाँ निम्न हैं

(1) विधायी शक्ति- लोकसभा का प्रमुख कार्य विधि निर्माण है। संविधान के अनुसार विधि निर्माण में लोकसभा एवं राज्यसभा की शक्तियाँ बराबर हैं परन्तु व्यवहार में लोकसभा ज्यादा शक्तिशाली है। साधारण रूप से समस्त महत्त्वपूर्ण विधेयक लोकसभा में ही प्रस्तुत किए जाते हैं।

(2) संविधान संशोधन- लोकसभा राज्यसभा के साथ मिलकर संविधान में संशोधन कर सकती है।

(3) वित्तीय शक्ति- संविधान के द्वारा वित्तीय मामलों में लोकसभा को शक्तिशाली बनाया गया है। वित्त विधेयक लोकसभा में ही पारित किए जाते हैं। यद्यपि वित्त विधेयक लोकसभा से पारित होने के बाद राज्यसभा में जाते हैं पर राज्यसभा के द्वारा धन विधेयकों पर 14 दिन के अन्दर स्वीकृति देनी होती है।

(4) कार्यपालिका पर नियंत्रण- संविधान के अनुसार मंत्रिमण्डल लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है। मंत्रिमण्डल तब तक ही क्रियाशील रह सकता है जब तक लोकसभा का उसमें विश्वास है। लोकसभा के सदस्य मंत्रियों से प्रश्न पूछकर शासकीय नीतियों पर कार्यस्थगन प्रस्ताव तथा अविश्वास प्रस्ताव रखकर सरकार पर नियन्त्रण रखती है।

(5) जनता के विचारों का मंच- लोकसभा चूँकि जनता के चुने हुए लोगों को सदन है अतः इसके पस्यों द्वारा किए विचार जनता के विचार माने जाते हैं। लोकसभा जनता की आकांक्षाओं एवं भावनाओं का दर्पण है।

Write any live functions of the Parliament.

25. उदारवादी दल की कार्यविधि उग्र राष्ट्रवादी दल की कार्यविधि से किस प्रकार भिन्न थी? स्पष्ट कीजिए। (5)

उत्तर: उदारवादी दल और उग्रराष्ट्रवादी दल के बीच अन्तर इन दोनों की कार्यविधि में निम्नलिखित अन्तर थे-

(1) उदारवादी अंग्रेजी शासन के अधीन रहकर आर्थिक सुधारों के पक्ष में थे , जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल वाले, यह समझते थे कि देश आर्थिक क्षेत्र में तब तक प्रगति नहीं कर सकता जब तक यहां अग्रजा साम्राज्य का अन्त नहीं हो जाता।

(2) उदारवादी दल शान्तिमय तथा संवैधानिक रास्ता अपनाकर उद्देश्य की प्राप्ति के पक्ष में था, जल अष्ट्रवादी दल वाले क्रान्तिकारी तथा शक्ति के प्रयोग से अपना उद्देश्य प्राप्त करने के पक्ष में थे।

(3) उदारवादी दल वालों के प्रति सरकार का रुख उदार था, जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल के प्रति सरकार का रुख कठोर एवं शत्रुतापूर्ण था। नरम दल के नेताओं (दादाभाई नौरोजी, गोपालकृष्ण गोखले, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी) को सरकार ने कभी बन्द नहीं किया, जबकि गरम दल के नेताओं; जैसे-लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिनचन्द्र पाल आदि को अनेक बार जेल भेजा गया।

(4) उदारवादी दल वाले अंग्रेजी शासन से कोई विशेष घृणा नहीं करते थे, जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल वाले ब्रिटिश साम्राज्य का अन्त करके स्वतन्त्रता प्राप्ति को अपना लक्ष्य समझते थे।

(5) उदारवादी दल के नेता राजनैतिक उन्नति के स्थान पर भारतीयों के सामाजिक व आर्थिक विकास के अधिक समर्थक थे, जबकि उग्रदल के नेता पहले राजनैतिक स्वतन्त्रता के पक्ष में थे। गरम दल वालों का कहना था, "स्वतन्त्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।" उग्रराष्ट्रवादी दल वाले नेताओं का कहना था कि, "राजनैतिक स्वतन्त्रता के बिना भारतीयों की आर्थिक दशा सुधारी नहीं जा सकती।"

(6) उदारवादी पश्चिमी सभ्यता की सराहना करने वाले थे, जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल को भारतीय सभ्यता पर गर्व था। इस प्रकार स्पष्ट है कि उदारवादी दल के नेताओं की सभी नीतियाँ व साधन उदार थे, जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल के नेता उदार साधनों के विरुद्ध थे।

What were the working system differences between aggressive nationalism and moderators? Explain.

अथवा / OR

लोकसभा अध्यक्ष के कार्य बताइए।

उत्तर: कार्य और शक्तियाँ–

(1) अध्यक्ष के द्वारा लोकसभा की सभी बैठकों की अध्यक्षता की जाती है और अध्यक्ष होने के नाते उसके द्वारा सदन में शान्ति व्यवस्था और अनुशासन बनाये रखने का कार्य किया जाता है।

(2) लोकसभा का समस्त कार्यक्रम और कार्यवाही अध्यक्ष के द्वारा ही निश्चित की जाती है। वह सदन के नेता के परामर्श से विभिन्न विषयों के सम्बन्ध में वाद-विवाद का समय निश्चित करता है।

(3) अध्यक्ष ही यह निश्चय करता है कि कोई विधेयक वित्त विधेयक है या नहीं।

(4) संसद और राष्ट्रपति के बीच सारा पत्र व्यवहार उसके द्वारा ही होता है।

What are the functions of the Speaker of Lok Sabha?

26. भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपायों का वर्णन कीजिए। (कोई पाँच) (5)

उत्तर: भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपाय भारत में बेरोजगारी की समस्या के निवारण हेत कछ प्रमख सझाव निम्नलिखित हैं-

(1) जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण- बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण किया जाना आवश्यक है। इसके लिए परिवार कल्याण कार्यक्रम का व्यापक रूप से प्रचार व इसे क्रियान्वित किया जाना चाहिए, अन्यथा बेरोजगारी की समस्या कभी समाप्त न होने वाली समस्या बनकर रह जायेगी।

(2) कुटीर एवं लघु उद्योगों का विकास-देश में अधिक-से-अधिक व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कुटीर तथा लघु उद्योगों का विकास किया जाना चाहिए।

(3) ज़न-शक्ति नियोजन-आर्थिक विकास की आवश्यकता के अनुरूप शिक्षित और प्रशिक्षित एवं कार्य- कुशल, जन-शक्ति की आपूर्ति के लिए जन-शक्ति नियोजन आवश्यक है। इससे श्रमिकों को उनकी योग्यता एवं इच्छानुसार रोजगार उपलब्ध होगा तथा सेवायोजकों को आवश्यकतानुसार कुशल श्रमिकों की उपलब्धि हो सकेगी।

(4) शहरों की ओर ग्रामीण जनता के प्रवाह पर रोक- ग्रामीण क्षेत्र से आकर शहरों में बसने की प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। इसके लिए गाँवों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने होंगे व अन्य आकर्षक पारिश्रमिक देना होगा।

(5) प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग- भारत में प्राकृतिक संसाधनों के विपल भण्डार हैं। जिनको यथोचित उपयोग किया जाना चाहिए। इससे अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और बेरोजगारी की समस्या को हल किया जा सकेगा।

Describe the measures which should be adopted to remove unemployment from India. (Any five)

अथवा / OR

आतंकवाद का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है? इसे दूर करने के उपाय लिखिए।

उत्तर: मानव जाति के विरुद्ध कुछ व्यक्तियों या गिरोहों की हिंसा को आतंकवाद कहते हैं। यह लोकतन्त्र के विरुद्ध अपराध है। आतंकवाद पूरे विश्व की समस्या बन गई है। आतंकवादी विश्व भर में आतंकी गतिविधियाँ अपनाकर सबको भयभीत और असुरक्षित करना चाहते हैं। ये अनैतिक साधनों को भी न्यायसंगत ठहराते हैं। हिंसक गतिविधियों द्वारा राष्ट्र की अखण्डता और एकता को नष्ट करना चाहते हैं। कुछ विदेशी ताकतें, कट्टरपंथी ताकतें और अलगाववादी प्रवृत्तियाँ आतंकवाद को प्रोत्साहन दे रही हैं। ये विश्व शान्ति को भंग कर सबको भयभीत करना चाहते हैं। आतंकवादियों द्वारा अतिविकसित राष्ट्र

अमेरिका की वर्ल्ड ट्रेड सेण्टर जैसी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया। सारा विश्व इससे स्तब्ध रह गया। हजारों जानें गई अपार धन की हानि हुई और असुरक्षा की भावना बढ़ गई। आतंकवाद राज्य और समाज को बाँटने का कार्य करता है।

आतंकवाद के प्रभाव-

(1) नागरिकों में असुरक्षा की भावना जाग्रत हो जाती है।

(2) आर्थिक विकास के मार्ग में बाधा आती है। जिस गति से विकास कार्य करने हैं उन्हें छोड़कर बचाव कार्य करने होते हैं। इससे शासकीय योजनाएँ प्रभावित होती हैं।

(3) जन-धन की बहुत हानि होती है। निरपराध लोग मारे जाते हैं। सरकारी और निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुँचता है।

(4) आतंकवाद से अघोषित युद्ध जैसी स्थिति बन जाती है। कुछ राष्ट्र आतंकवाद को कूटनीतिक साधन के रूप में उपयोग करते हैं।

आतंकवाद को नियन्त्रित करने के उपाय-

आज आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या के रूप में खड़ा है। यह राष्ट्रों की भौगोलिक सीमाओं को लाँघ चुका है। इसके लिए सभी राष्ट्रों को मिलकर समाधान खोजना चाहिए। सरकार को कश्मीरी आतंकवाद से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था की तैनाती में कमजोर बिन्दुओं की पहचान और उन्हें दूर करने की दिशा में कार्यवाही करना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सम्पूर्ण देशवासियों को एकजुट होकर आतंकवाद का सामना करना चाहिए।

What are the effects of terrorism on the society? What measures should be adopted to fight terrorism?